वृक्षों के प्रति जन जागरुकता लाने वन विहार में जन चेतना कार्यक्रम

भोपाल (काप्र)।

जन मानस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जन-चेतना के लिए वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में प्रात: 7 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में वन विहार के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा पर्यटकों को पॉलीथीन के दुष्परिणाम की जानकारी दी गई तथा पॉलीथीन उपयोग न करने की सलाह दी गई।

साथ ही श्रमदान के तहत वन विहार में मुख्य मार्ग के आस-पास कचरा एकत्रित कर कचरा मुक्त किया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य विषय भूमि बहाली, मरूस्थलीकरण और सूखा सहनशीलता पर समाज में संदेश प्रसारित करना है। वन विहार भ्रमण के लिये आये पर्यटकों एवं उपस्थित कर्मचारियों को इस विषय पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सम्बोधित किया गया।

कार्यक्रम में जेएन कांसोटिया, अपर मुख्य सचिव वन, असीम श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन सरंक्षक (वन्यप्राणी), आरके यादव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रबंध संचालक, म.प्र. राज्य वन विकास निगम, एम.एस. धाकड़, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्पा), पीएल धीमान, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (ग्रीन इंडिया मिशन), श्रीमती समीता राजोरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी म.प्र. ईको पर्यटन विकास बोर्ड, एमएल मीना, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रोजेक्ट), बीएस अन्निगिरी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सू.प्रौ.), श्रीमती कमलिका मोहंता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशा.-2), एचएस मोहंता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (मू प्रबंध), श्रीमती राखी नंदा, वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी भोपाल एवं आलोक पाठक वनमंडलाधिकारी वनमंडल भोपाल, मीना अवधेशकुमार शिवकुमार, संचालक वन विहार, सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक वन विहार एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमती श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

श्री सिन्हा, सहायक संचालक द्वारा कार्यक्रम की विषय-वस्तु पर प्रकाश डाला गया तथा कार्यक्रम का संचालन किया गया। साथ ही उपस्थित जन-समूह को पर्यावण संरक्षण करने एवं प्रदूषण न फैलाने हेतु शपथ दिलाई गई।कार्यक्रम में श्रमदान में भाग लेने वाले समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को उपहार स्वरूप टीशर्ट प्रदान की गई। गिद्ध संरक्षण एवं संवर्धन केन्द्र केरवा में केन्द्र प्रभारी एवं कार्यरत कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत में संचालक वन विहार मीना अवधेशकुमार शिवकुमार द्वारा समस्त अधिकारियों को स्मृति-चिन्ह प्रदान किये गये।

पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता आवश्यक

राजधानी के एकांत पार्क में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता के लिए शपथ ली गयी। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, वन जेएन कंसोटिया ने कहा जन-साधारण को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की आवश्यकता है। श्री कंसोटिया ने बताया कि विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम के माध्यम से शाला विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस वर्ष की थीम-भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी के प्रयासों से पर्यावरण को संरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम में वरिष्ठ वन अधिकारियों के अतिरिक्त रोटरी क्लब तथा ग्रीन एडवेंचर संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। वन मंडलाधिकारी, भोपाल आलोक पाठक ने आभार व्यक्त किया।

अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाएं: डॉ. सिंह

एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया । पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण पर जोर देते हुए, डॉ. सिंह ने न केवल एम्स परिसर में बल्कि इसके आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता और हरियाली बनाए रखने के महत्व को बताया । उन्होंने कहा कि हरित पर्यावरण सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। डॉ. सिंह ने कहा, आज का वृक्षारोपण अभियान एक स्वस्थ और टिकाऊ पर्यावरण को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। पेड़ हमें ऑक्सीजन प्रदान करने, पानी को अवशोषित करने और प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेड़ लगाकर, हम न केवल अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रख सकते है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य की नींव भी रखते है। प्रोफेसर सिंह ने लोगों से उनके जन्मदिन पर एक पौधा लगाने का अनुरोध किया।

पुलिस अकादमी में आम, बरगद और पीपल के 500 पौधे रोपे

मप्र पुलिस अकादमी, भौंरी में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अकादमी के प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों और प्रशिक्षण स्टॉफ के सदस्यों व कर्मचारियों ने बरगद, पीपल, शीशम, नीम, आम, जाम, कटहल, अनार, शहतूत के 500 पौधे रोपित किए। पौधरोपण का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के प्रत्येक प्रशिक्षु को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना, अकादमी को हरा-भरा बनाने के साथ पर्यावरण को शुद्ध बनाना है। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के उप निदेशक मलय जैन, सहायक निदेशक श्रीमती यास्मीन जहरा, श्रीमती श्रृद्धा जोशी, डेनियल जोज़फ, उप पुलिस अधीक्षक अमरेश बोहरे, अनिल सिंह, तिलकराज प्रधान, अमरीश पटेल, सीडीआई सुश्री आरती कतिजा, अकादमी का स्टॉफ एवं उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक भी सम्मिलित हुए।

नाटक के माध्यम से पौधरोपण का संदेश

दक्ष अम्ब्रोस इम्पावरमेंट सोसाइटी, मैक डांस कल्चरल इंस्टीट्यूट एवं विलेज सोशल वेल्फेयर सोसाइटी ने मैं और मेरी पृथ्वी अभियान के तहत डॉ. शंकर दयाल शर्मा खेल मैदान साकेत नगर में डांस फॉर इन्वायरमेंट समारोह आयोजित किया। जिसमें बच्चों ने नाटक, डांस की रंगारंग प्रस्तुति देते हुए हरियाली बचाने और पौधे रोपने का संदेश दिया। पांच साल की मान्या, उत्सव और एरिक ने नाटक का मंचन किया। नाटक की कहानी ऐसी है कि कलाकार छुपन-छुपाई खेलने के लिए पेड़ ढूंढते हैं और उन्हें शहर में पर पेड़ नहीं मिलते। मान्या, उत्सव से कहती हैं कि कहां खेलें पेड़ तो काट दिए गए हैं, उनके स्थान पर सडक़ बना दी है, गर्मी भी लग रही है, क्या करें? कुछ सोचने के बाद एरिक, मान्या एवं उत्सव तय करते हैं कि अब हम लोग पेड़ लगाते हैं, जैसे-जैसे हम बड़े होंगे साथ में पेड़ भी बढ़ेंगे।

गृह दोष से मुक्त करते हैं पौधे : इंडिया गॉट टैलेंट-शो में आ चुके आदित्य मालवीय ने ओ री चिरैया गाने पर डांस किया, मेघा रे बरसो-बरसो गाने पर राज नंदिनी, नयंसी, वैष्णवी ने डांस किया। पिपरिया से आए तनिष्क पाल टिक-टिक प्लास्टिक गाने पर डांस किया। डांस कोरियोग्राफर सुशील यादव ने बहती एक नदी पहाड़ों से गाने पर डांस किया। ज्योतिषी मानिश शुक्ला ने पेड़ों को गृह दोष से मुक्त करने वाला बताया। गौरैया लाइव फिल्म के निर्माता राहुल रंगारी ने बताया कि पांच तत्वों से मिलकर हमारा शरीर बना है, हमें हमारे पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखना होगा, क्योंकि शरीर के पांच तत्वों में से एक यह भी है। इसके लिए पेड़ लगाने होंगे। सभी ने गायत्री मंत्र और बुधम शरणम गच्छामी के मंत्र उच्चारण कर जामुन, पीपल, आम, करंज का पौधारोपण किया।

जीजा-साले गिरोह बनाकर कर रहे थे गांजा तस्करी, दो महिलाओं सहित 6 गिरफ्तार

उड़ीसा से गांजा लाकर भोपाल में करते थे सप्लाई

भोपाल(काप्र)। राजधानी की क्राइम ब्रांच टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए गांजा तस्करी करने वाले जीजा-साले सहित उनके गिरोह के आधा दर्जन आरोपियो को गिरफ्तार किया है। गिरोह उड़ीसा से सस्ते दामो में नशीला पर्दाथ लाकर भोपाल में फुटकर दामो में सप्लाई करते थे। टीम ने गिरोह के कब्जे से पॉच लाख से अधिक कीमत का गांजा जप्त किया है। गिरोह में दो महिलाएं भी शामिल हैं, जिनकी दोस्ती जेल में हुई थी। वहीं मुख्य आरोपी पूर्व में विशाखपत्तनम जेल में बंद हो चुका है। क्राइम ब्रांच डीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि टीम को मुखबिर से सूचना मिली की मंगलवारा इलाके में पुष्पा अपार्टमेन्ट के पास दो महिलाओ सहित आधा दर्जन सदिंग्ध लोग गांजा लेकर उसकी डिलेवरी देने कि फिराक में खडे है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी करते हुए चार युवको सहित दोनो महिलाओ को घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया। चारो युवको की पीठ पर पिट्ठू बैग टंगा था, वहीं दोनो महिलाओ में से एक के पास प्लास्टिक का थैला और दूसरी के पास बडा पर्स रखा हुआ था। पूछताछ में उन्होनें अपनी पहचान विनय शर्मा पिता जितेन्द्र शर्मा (23) निवासी रानी का मंडी मथूरा यूपी, श्याम जोशी पिता मगनलाल (26), निवासी घोडा-घोडी का नाका कंपू ग्वालियर, सोनू शर्मा पिता विनोद शर्मा (32) निवासी मेघपुर जिला मुरैना, जितेन्द्र शर्मा पिता अनिल शर्मा (35) निवासी करौली वाली माता महल ग्वालियर के रुप में बताई। वहीं महिलाओ की पहचान सुनीता कुचबदिया पति सदैव कुचबदिया (48) निवासी कल्याण नगर भोपाल और नरवदी भील पति प्रेम सिंह (56) निवासी ग्राम महावन थाना लटेरी जिला विदिशा के रुप में हुई। संदेहियो की तलाशी लेने पर युवको के पास मौजूद पिठ्ठू बैग और महिलाओ के पास मौजूद थैला और पर्स में 26 किलो 500 ग्रांम गाँजा रखा मिला। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्ररकण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। तस्करो में शामिल शर्मा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के दो मामले थाना विवि ललितपुर और एक मामला विशाखापटनम में दर्ज है। आरोपी महिलाओ मे शामिल सुनीता कुचबदिया के खिलाफ थाना निशातपुरा और क्राइम ब्रांच में एनडीपीएस का प्रकरण पूर्व से दर्ज है। वहीं नरवदी भील को एक अपराधिक प्रकरण में थाना ब्यावरा राजगढ़ पुलिस द्वारा पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। दोनो महिलाओ की पहचान जेल में ही हुई थी। पुलिस गिरोह से आगे की पूछताछ कर रही है।

कुंए में अवैध रूप से ब्लास्टिंग का विरोध करना पड़ा भारी

भोपाल(काप्र)। शहर के देहात इलाके के बैरसिया थाना इलाके में कुंए में अवैध ब्लास्टिंग किये जाने का विरोध करना एक परिवार की जान पर बन आया। गुस्साये आरोपियो ने कुल्हाड़ी, डंडो से कातिलाना हमला किया जिसमें महिला सहित पांच लोग गंभीर घायल हो गए हैं। घटना में एक महिला की नाक पर चोट लगने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कडैया चंवर गांव में रहने वाले 48 वर्षीय गोविंद सिंह नामदेव एक सरकारी स्कूल में टीचर हैं। जो अपनी पत्नी सुनिता नामदेव (45) और दो बच्चों लड़का कार्तिक और लड़की संध्या के साथ रहते हैं। गोविंद के पड़ोस में रहने वाला बबलू कुशवाह बीते काफी दिनों से अपने कुएं में अवैध रूप से ब्लास्टिंग का काम कर रहा था। बारुद के तेज धमाके होने के कारण गोविंद के घर पर पत्थर गिरते थे। इसे लेकर गोविंद ने बबलू और उसके परिवार से शिकायत की थी। शिकायत करने पर गोविंद नाराज हो गया और उसने गोविंद की परेशानी पर कोई ध्यान नहीं दिया। सोमवार सुबह भी ब्लास्टिंग होने पर गुस्से मेंआकर गोविंद, बबलू के घर पहुंचा और समझाइश देकर वापस अपने घर आ गया। गोविंद के वापस घर लौटने के बाद ही बबलू और उसके परिवार वालो में शामिल बबलू कुशवाह की पत्नी ममता कुशवाह, हरगोविंद कुशवाह और भूपेंद्र सिंह कुशवाह डंडे, कुल्हाड़ी लेकर उसके घर आये और गोविंद सहित उसके परिवार पर हमला कर दिया। हमले मे जहॉ गोविंद की पत्नी सुनिता नामदेव गंभीर रूप से घायल हो गई वहीं घर में मौजूद गोविंद के घर पर मौजूद उसके भाई का बेटे दिव्यांश से भी आरोपियो ने मारपीट कर घायल कर दिया। प्रकरण दर्ज कर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं: कृष्णा गौर

भोपाल (काप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने पिपलानी क्षेत्र में सुन्दर नगर बस्ती में निर्माणाधीन रोड की गुणवत्ता ठीक नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की और निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। श्रीमती गौर मंगलवार को निवास कार्यालय पर गोविंदपुरा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा कर रही थी। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसियाँ कार्य को समय-सीमा में पूरा करें। साथ ही गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। समीक्षा के दौरान पिपलानी वार्ड 67 के पार्षद द्वारा बताया गया कि उनके क्षेत्र में सुन्दर नगर बस्ती में निर्माणाधीन रोड की गुणवत्ता ठीक नहीं है। इस पर उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ रोड बनाने के निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में श्रीमती गौर ने वार्ड-वार विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में पार्षद जितेन्द्र शुक्ला, राजू राठौर, श्रीमती उर्मिला मौर्य, श्रीमती छाया ठाकुर, श्रीमती सिरोमणी शर्मा, वी शक्ति राव, राजेश चौकसे, प्रताप बारे, विकास पटेल, शिवलाल मकोरिया, सुरेन्द्र वाडिका, नीरज सिंह और सुन्दर लाल परमार सहित स्थानीय जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

लेनदेन के विवाद में छड़ी, पाइप से जमकर पीटा, प्लास से सिर के बाल उखाड़े

भोपाल(काप्र)। पुराने शहर के कोतवाली थाना इलाके में काम करने बंगाल से भोपाल आये दोस्तो ने अपने साथी के साथ बर्बरता पूर्वक मारपीट ही नहीं कि बल्कि प्लास से उसके सिर के बाल भी उखाड़ दिये।

आरोपियो की क्रूरता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद तुरंत हरकत में आई पुलिस ने मामला कायम कर दो आरोपियो को दबोच लिया है। मामले में थाना पुलिस के अनुसार बंगाल के कुछ युवक इलाके के इतवारा में शफाखाना इलाके में किराए के कमरो में रहते हैं। यह सभी जेवरातों में नग लगाने वाले कारीगर हैं, जो चौक बाजार में अलग-अलग दुकानों पर काम करते है। मंगलवार रात एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वायरल वीडियों में नजर आ रहा है की एक कमरे में तीन युवक मौजूद है, एक युवक तो कोने में खड़ा है, वहीं दो अन्य युवक कमरे में बैठाकर अन्य युवक के साथ मारपीट कर रहे है। और अन्य युवकों की आवाज पीछे से आ रही थी। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक युवक लकड़ी की छड़ी कमरे के बीच में बैठे युवक से मारपीट कर रहा है, और उसका एक साथी बीच में आकर बंगाली भाषा में गाली-गलौज कर रहा था। बाद में दूसरे युवक ने प्लास्टिक के पाइप से युवक पर वार करते हुए जमकर मारपीट की और फिर कमरे में रखा प्लास उठा कर पिटने वाले युवक के पीछे आकर खड़ा हो गया। बातचीत के दौरान ही हाथ में प्लास पकड़े युवक के सिर के बाल उखाड़ने लगा। आरोपी युवक ने प्लास से दो बार युवक के सिर से बाल उखाड़े। मारपीट और सिर के बाल उखाड़ने के कारण युवक दर्द से कराहते हुए चिल्ला रहा था। इसी दौरान कमरे में मौजूद एक युवक ने सारी घटना का वीडियो बना लिया था। यह घटना 1 जून की रात की बताई जा रही है।

स्पेशल खबर भगवान शनिदेव का प्राकट्य उत्सव आज...

शनि आराधना के लिए उमड़ेंगे भक्त, तेलाभिषेक होगा

भोपाल(काप्र)।

ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर गुरुवार को शनिदेव का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। भक्त मंदिरों में शनिदेव की आराधना के लिए उमड़ेंगे। शनि मंदिरों में भगवान का तेलाभिषेक होगा।

ज्योतिषाचार्य पं.अमर डब्बावाला के अनुसार ज्येष्ठ अमावस्या के दिन नवग्रह में ऊर्जा, प्रगति, आध्यात्मिकता, वैराग्य, तीर्थ यात्रा, चिंतन, मनन के का रक देव माने जाने वाले शनिदेव के प्राकट्य की मान्यता है। इस बार गुरुवार के दिन रोहिणी नक्षत्र ध्रति योग एवं वृषभ राशि के चंद्रमा की साक्षी में अमावस्या आ रही है। इस बार अलग-अलग प्रकार के योग संयोग अमावस्या पर बन रहे हैं। ग्रह गोचर की मान्यता के आधार पर देखें तो इस बार शनि प्राकट्य उत्सव पर केंद्र में पांच ग्रह सूर्य, चंद्र, बुध, गुरु व शुक्र की युति बन रही है। साथ ही मालव्य एवं शनि का शश योग केंद्र में बन रहा है। यह एक श्रेष्ठ स्थिति है, जो सालों बाद बनती है। स्थितियों में धर्म आध्यात्मिक संस्कृति का विशेष प्रभाव रहता है। ऐसे दिव्य संयोग में शनिदेव की आराधना करने तथा शनि की वस्तुओं का दान करने से शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

भावुका व वट सावित्री अमावस्या भी इसी दिन

धर्म शास्त्रीय मान्यता के आधार पर देखें तो ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को भावुका अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इसी दिन वट सावित्री अमावस्या का भी व्रत, जप, तप, नियम, दान आदि के संबंध में बताया गया है। ज्येष्ठ मास 12 माह में सबसे बड़ा माह माना जाता है और इस माह में विशेष त्यौहार धर्म अर्थ काम और मोक्ष को प्रदान करने वाले वहीं धर्म तथा अर्थ की विशेष साधना के लिए विशेष अनुक्रम सिद्ध करने वाले बताए गए हैं। भावुका अमावस्या पर तीर्थ पर पितरों के निमित्त दान धर्म का विशेष नियम है वहीं वट सावित्री अमावस्या व्रत की पूजन महिलाएं करती हैं। जिससे उनके सौभाग्य की वृद्धि हो सके व घर परिवार में सुख शांति की प्राप्ति हो सके इस दृष्टि से यह विशेष है।

शनि देव की अनुकूलता के लिए करें उपाय

जिन जातकों की जन्म कुंडली में शनि विपरीत स्थिति में विराजमान है या शनि की साढ़ेसाती, शनि की महादशा अंतर्दशा, प्रत्यंतर दशा तथा शनि की ढैया चल रही है, उन्हें शनि जयंती पर शनिदेव की प्रसन्नता के लिए उपाय करना चाहिए। तिल्ली के तेल से शनिदेव का अभिषेक करें तथा शनि की वस्तुओं क्रमश: काला उड़द, काला कपड़ा, छतरी, चप्पल, खड़ा धान, राई आदि वस्तुओं का दान करें। ऐसा करने से बाधाएं, संकट, तनाव, दुख, पीड़ाओं का निवारण होगा। कार्य में प्रगति तथा उन्नति के रास्ते खुलेंगे।